



५३५

ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય

(ગુજરાત કોપીરાઈટ વિભાગ)

અનુક્રમાંક ૫૩૬ કિંમત

ગ્રંથનામ પુણ્ય ૫૬૧૧

વર્ગાંક

५३६

पुन्यप्रदारी

॥ ह्रीं ॥ सङ्ग सिद्धिदायक सङ्ग योधीसे नून
 राय ॥ सहगुरु सामिनी सरस्वती ॥ प्रेमप्रणमं पार
 ॥ ॥ त्रिभुवनपती त्रिसप्ततण्डुलानंदनगुणं
 लीरा ॥ शीसननायक नगनयो यधमानवडवी
 ॥ रागजेडिनवीरलुण्ठनो व्यरणे डरी प्रणाम
 लविडलुवनाहितलणी ॥ पूछे गोतमस्वामा ॥
 ॥ मुक्तिभारगम्भाराधिभो ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं पदेभ्यः रिहं
 त ॥ सुधा सरसवयं नरसा लाभे श्रीनकावंत
 ॥ अतीयार व्याणो ह्रीं ॥ व्रतधा ॥ अगुरुरी
 ॥ जालुवज्रमावो रायज नो योनि ॥ गेरा शीख
 ॥ पा ॥ विधिशुं वणि वोशरा विभो ॥ पा पस्या
 अटार ॥ याररीरण नित्य अनुसरो निहोदुरि
 व्यायार ॥ डा ॥ शुलङ्करणी अनुमो विभो लावत
 सोमन व्याण ॥ अणसण अवसन माहरी नव
 पदनपो सुन्नण ॥ आ ॥ शुलगाति ॥ ॥
 मेछे हस अधिदारा ॥ यित्त ॥ ॥
 ॥ पामो लयपारा ॥ ॥ टाण ॥ दुमती ॥

राज्ञी ॥ अदेरी ॥ ज्ञानदरिसण्यारित्रतपविर
 नायेपांयेआयार ॥ अहेतएआहेलवपरल
 वनाआसोर्छेअतियाररोप्राणी ज्ञानलणो
 गुणप्राणी-वीरवदेअमेवाणीरे ॥ प्राणा ॥ अहे
 आङ्गणी ॥ गुडुडिसवीअेनहीगुडुविनअे। फाणे
 घरीबहुमानासुत्रअरयतहुलथङ्गरीसुधा। ल
 एणीअेवहीडिपधत्तरो। प्राणा ज्ञानान्न ॥ ज्ञानोपग
 रणपारीपोथी। डवणीनोङ्गरवासी ॥ तेहेतएङ्गी
 धीआसातना। ज्ञानलगतिनसंत्नाणीरे ॥ प्राणा
 ज्ञानाङ्गा। र्त्यादिङ्गविपरीतपणाथी। ज्ञानविरा
 व्युंनेहा। आलवपरलववणीरेलवोलवामिछा
 हुङ्गडतेहेरे ॥ प्राणा ज्ञाना ॥ प्राणी स
 शुध्यलएणी। वीरवदेअमेवाणीरे ॥ प्र
 नवयनेरो। नविङ्गीनो। नविपरभ्र
 ण्या। साधुतणीनिंदापरहरन्ने। इण्ड
 ङ्गा। प्राणा ॥ मूनापा। मूहपागुंछंडोप
 आसीअे। सामीनेधरमेङ्गरी
 नावनाइदिअेरे ॥ प्राणा सणा

[illegible]

पापमेव शीविधोर्ध्वरेण प्राग्गन्तव्यं ॥ १ ॥
 पामीसुगुडपसाय ॥ अरे शी ॥ पृथ्वी पाणी ते जी
 वायु वनस्पती ॥ अरे पांये धावरद्रव्या ॥ १ ॥ इरी
 इरस एव आरंला ॥ जे त्रने जे डीयां ॥ पुवात्त सावज
 एावीया ॥ अरे ॥ रा ॥ घर आरंल अने डो ॥ रां डो लुठिं
 ॥ मे डीमाण ॥ एावीया ॥ अरे ॥ ॥ सीप एा घुं प एा
 ला ॥ अरे एीप रेप रे ॥ पृथ्वी ॥ अरे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 धोय एा ना ह एा पा ह ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 धोति इरी दु हव्या ॥ अरे ॥ पा ॥ ना ही ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 युवनगर ॥ ला डलुं न सी ह ॥ स ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 एा से इ एा डाना वस्त्र निष्कार एा ॥ नंगा एा रंध ॥ गस्त्र
 वस्त्र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ते जी वायु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ वावीवन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ पुं ह ड पाप डी सा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ आधीयां ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ सीने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ मोक्ष मां हो पीस

૧૧૨ ॥ એમ એકંદ્રી ની વાહુણ્યા હુકુડ એ ॥ ૧૦ ॥ ક્રમ
 તાંને અનુમોદિયાએ ॥ ૧૩ ॥ આલવપરલવને હા
 વસાલવોલવોતે મુનમીછાદુકુડ એ ॥ ૧૪ ॥ ક્રમ
 સમમીયાફીડાગાડરગંડોલાઈએ સીપુરાંને અ
 સરીયાંએ ॥ ૧૫ ॥ વાળાળજો દુડેલાંચેવસત
 ૧૬ ॥ ૧૭ ॥ અથાણાં પ્રમુખનાંએ ॥ ૧૮ ॥ એમ
 બેરંદ્રી ની વાને હમેદુહવ્યાતે મુનમીછાદુકુડ એ ॥
 ૧૯ ॥ ગિધેહી નુસીખામાંફણમંફોડાયાંબહ
 ફીડાકંધુઆએ ॥ ૨૦ ॥ ઘઘીઆંઘીમેલાફાનખ
 નુરીયાગંગોડાઘનેરીયાંએ ॥ ૨૧ ॥ એમતેરંદ્રી
 ની વાને હમેદુહવ્યાતે મુનમીછાદુકુડ એ ॥ ૨૨ ॥
 માંગ્રીમછરડાંસામસાપતંગીયાં ॥ ૨૩ ॥ ફીડાફી

૨૪ ॥ ૨૫ ॥ ઢિંકણવિદ્યુતીડાલમરાલમ
 તાબગખડમાંફડીએ ॥ ૨૬ ॥ એમચોઈ
 મેદ ॥ ૨૭ ॥ તેમુન ॥ ૨૮ ॥ દુકુડ એ ॥ ૨૯ ॥

૩૦ ॥ ૩૧ ॥ ૩૨ ॥ ૩૩ ॥

નિવાપાડીયાં ૩૪ ॥

૩૫ ॥ એમપંચંદ્રી ૩૬ ॥

धीसारतो ॥ ७ ॥ आत्मव ॥ ८ ॥ लोकांशोऽमेम
 आधेकर ॥ ९ ॥ एतेऽहो ॥ १० ॥ निगियेयोऽहो विरो
 आणी ॥ ११ ॥ इयविवेकतो ॥ १२ ॥ दुःखता नैदा ॥ १३ ॥ मेमकरीमे
 पापकरोपरिहारतो ॥ १४ ॥ शिवगतिआराधनतएमे
 ॥ १५ ॥ मेमएततो ॥ १६ ॥ आहंतुंनेयने
 ॥ १७ ॥ वडा ॥ १८ ॥ मेमे ॥ १९ ॥ धनधनतेदिनमाहो ॥ २० ॥ फांसी
 ॥ २१ ॥ धर्म ॥ २२ ॥ धननीयतपलायना ॥ २३ ॥ राज्या ॥ २४ ॥ दुःखतकर्म
 ॥ २५ ॥ धनना ॥ २६ ॥ मेमे ॥ २७ ॥ इति ॥ २८ ॥ धर्म ॥ २९ ॥ धनना ॥ ३० ॥
 गते ॥ ३१ ॥ धनवरपु ॥ ३२ ॥ यावणी ॥ ३३ ॥ पात्र ॥ ३४ ॥ धनना ॥ ३५ ॥
 ॥ पुस्तक ॥ ३६ ॥ नाना ॥ ३७ ॥ धर्म ॥ ३८ ॥ धनना ॥ ३९ ॥ धर्म ॥ ४० ॥
 संघ ॥ ४१ ॥ धर्म ॥ ४२ ॥ धर्म ॥ ४३ ॥ धर्म ॥ ४४ ॥ धर्म ॥ ४५ ॥
 धर्म ॥ ४६ ॥ धर्म ॥ ४७ ॥ धर्म ॥ ४८ ॥ धर्म ॥ ४९ ॥ धर्म ॥ ५० ॥
 धर्म ॥ ५१ ॥ धर्म ॥ ५२ ॥ धर्म ॥ ५३ ॥ धर्म ॥ ५४ ॥ धर्म ॥ ५५ ॥
 धर्म ॥ ५६ ॥ धर्म ॥ ५७ ॥ धर्म ॥ ५८ ॥ धर्म ॥ ५९ ॥ धर्म ॥ ६० ॥
 धर्म ॥ ६१ ॥ धर्म ॥ ६२ ॥ धर्म ॥ ६३ ॥ धर्म ॥ ६४ ॥ धर्म ॥ ६५ ॥
 धर्म ॥ ६६ ॥ धर्म ॥ ६७ ॥ धर्म ॥ ६८ ॥ धर्म ॥ ६९ ॥ धर्म ॥ ७० ॥
 धर्म ॥ ७१ ॥ धर्म ॥ ७२ ॥ धर्म ॥ ७३ ॥ धर्म ॥ ७४ ॥ धर्म ॥ ७५ ॥
 धर्म ॥ ७६ ॥ धर्म ॥ ७७ ॥ धर्म ॥ ७८ ॥ धर्म ॥ ७९ ॥ धर्म ॥ ८० ॥
 धर्म ॥ ८१ ॥ धर्म ॥ ८२ ॥ धर्म ॥ ८३ ॥ धर्म ॥ ८४ ॥ धर्म ॥ ८५ ॥
 धर्म ॥ ८६ ॥ धर्म ॥ ८७ ॥ धर्म ॥ ८८ ॥ धर्म ॥ ८९ ॥ धर्म ॥ ९० ॥
 धर्म ॥ ९१ ॥ धर्म ॥ ९२ ॥ धर्म ॥ ९३ ॥ धर्म ॥ ९४ ॥ धर्म ॥ ९५ ॥
 धर्म ॥ ९६ ॥ धर्म ॥ ९७ ॥ धर्म ॥ ९८ ॥ धर्म ॥ ९९ ॥ धर्म ॥ १०० ॥

आपने आदित्यं त्वेति हेतोः याम्यन्तात्मा स
 मतावीणने अनुसरो प्राणी न प्रपद्यते धोरे
 तेऽपि गच्छंति तद्गच्छिन्ना याम्यन्तात्मा यत्नासि
 परे त्वत्परीक्षेऽप्येव नुं तात्मा त्वेति वदति याम्यन्ता
 एषो आत्मोऽयं अधिपराधनोऽप्यन्तात्मा याम्यन्ता
 तगिरि दुर्गा प्रलुनां त्रिणदस्या एव हेतुः त्वेति हेतुः
 यमवसरन्नाणीद्री ससेन एसावा अणस एसावसि
 योपयं यमीय्या रे आहारा सत्तु त्वत्परीक्षेऽप्येव नुं तात्मा
 ममता यमगा यमेमा तमन्ते सन्ता ज्ञानतत्त्वतां
 गति यारे दीघा आहार अनन्तानेरां प्रपणत्सीन
 पाभ्यो न्वसा सयी योरं द्वा दुस ह्येव वणी वणी
 त्वत्परीक्षेऽप्येव नुं तात्मा त्वेति वदति याम्यन्ता
 सुरपदतामा राधन धनरा सिलदा यमधो
 मारा अणस एसावारा धो पाभ्यान् वनो
 वरं द्रीने शो द्रीने द्वा अवनारा याम्यन्ता
 येन वमो अधिप
 नवदारा मन्यो
 त्वाम्यन्तात्मा त्वत्परीक्षेऽप्येव नुं तात्मा

आद्यात्माणीशो न तद्वत्ततो तारतो न न यो नारा
 आसदरीने आवीयो ओं तुम यराणे गुरुत्वात्
 आद्याने उवे प्ररीतो ओं तो कर्मरे दे रौ सान तो न न य
 नाडा फ्रम अ सु न ए आदरी ओं न न म म र ए नं
 न स तो हुं छुं ओं हृयी छील गो ओं छो ज्वदे व स्या
 स तो न यो ना शा अ म नो र ये मु न द्वा द्वा द्वा
 ना डा हुं ज्वदे स तो तु हं छुं छो छो छो छो छो छो
 स्या पु न्य क सो स तो न यो ना पा ल वे ल वे वि न य
 तु मार डे ओं ल ए ल ए ल ए ल ए ल ए ल ए ल ए ल
 दी न्ने ओं ओं ध वी नि री श्वरा ए तो न न यो ना
 क स र तं न्ने ह त र ए तार ए सु ग ति क र मा हुं ज्वनि
 वार ए न ग न यो श्री वी र न व र य र ए धु ए तां
 अधि क म न उ स र थ यो ना श्री वि न य दे व सु रि द
 प र ध र ति र थ न ग म अ ए नी न गो त ग छ पा ते श्री नि
 न य प्र न सु री सु रि ते ने अ ग म गो ना श्री हिर वि
 न य सु रि री री वा य द्वा श्री दी र्ति वि न य सु र्य
 स मो त स री री वा य द्वा वि न य वि न यो ह्यो न
 न यो वी री मो तां से स त र सं व त्ता ग ए री री र

हीरानेरयोमासुखो विनयदसमी विनयप्ररणा
 प्रीयोगुणअन्यासखो ॥ ४ ॥ नरत्ववज्राधनरी
 वसाधना सुदृतसीसवितासखो निर्नराहेतेतव
 नरयियो नामेपुन्यप्रप्ररीखो ॥ ५ ॥ छ ॥

द्वयन्नियानविरीरीत्राय

(मासिनीछंछ-)

इटइटइट नूडज्जायतेरीयसीधुंगगतपति
 विसावीपापनेचोरिस्तीधुंगागरत्ववतहतोत्यांरी
 नपोकारहेतो नगननमधखोत्यांफांनसंजाणिते
 तो ॥ १ ॥ नगतदएतणीन्यांनेछंदेतीविरीसीरी
 धनुधगछपाछी फासनीरीतलाणी ॥ नगररत
 खपाडेलाछिआवीपड्योतुं प्रनुवयनडिसंगा
 पंधन्यादेयड्योतुं ॥ २ ॥ अमनयमनमांड्याछा
 सप्रवेरीसेछीविषयरसजितीग्या रांडरीं ॥ ३ ॥
 छीनरदरदरवानु नुवनेन्यांममेछेनरनइट
 वनीनेरांडआनुदमेछे ॥ ४ ॥ मनुषननमपामी
 सारफांछनसाध्योअइसवयकावातांतापलोछां

નાંદ્યોનાં નાંદ્યેન નમઃ ક્યોતેં, જીવન્મુક્તાણાં ગાવા,
 થિબદનઘક્યુતેં ચામનોં જોસખાવાં પસદ સુખ
 રા, કામછે તાય સૂધી નરક દુખ સદાઈ, નાં ખરી જી
 રૂંધી પાડ પટકરિ સિતાને, રાવણો સેઈ અલ્યોત્સક
 રન નરકેં જાણેં જાણેં જાણેં આલ્યો પાપા યમ અતિ દુખ
 રામ્યા, નરથી જૂલનારાં અસગ અસંગ થાતૂ, નર
 થી પ્રાણિ પ્યારાં વિષય રસમ ફીલે જાણેં જાણેં જાણેં
 નમસિ નરકીને, નન્મનેં ફારી દેછો ડાન જમફિનયમ
 સ્તોડું, ફારખાઈ જાણેં છે, ત્યમાવેષય જાણેં જાણેં
 માંથી બસે છે અતિ વિષયી થયાને, જાણેં જાણેં જાણેં
 જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં
 રિઅસસતિઓનોં મૂળ માંથી સૂધારો, વિષયી નર
 મળીને છે દતાએ ફધારો અરનકરિ અતીરી, એન
 માગી ન સોઈું, વિષયી બદસન્યાશી, વર્તને એન
 મોઈું ટાળા બદમનુષ ફરીને, રીંખ સાંચી નમાને સ
 દુરુષ ફરીને, ધારી તુર્તધ્યાને, અસગ વ્યસન એનું
 જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં જાણેં

દો દો રો.

પૂરણ પુન્ય પ્રદારી આઠી પરબેક સત્રાય
મનન કરેથી એક નું પાતિક દૂર પળાય.

નૈન ધર્મિયં ચિન્તારાગોના

હી પયોગને અર્થે

અમદાવાદ મધેરાય પરમાં આકાસેઠ
નાદુવાની પોળ પાસેકે સવસાલ ફીમ

તસાલના ડેલામાં.

સસુનાઈ અમીચંદે

પોતાના છાપાખાનામાં છા

પી પ્રસીધ્ધ કર્યું છે.

સને ૧૮૭૨

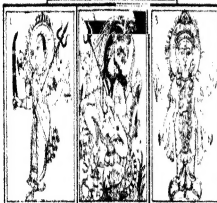
ફીમલ ૨ આના



परमेश्वर जेल परमेश्वर	पुराण जेल वीरेश्वर महादेव	परमात्मा जेल ब्रह्मा	परमानंद जेल महो जनेश्वर	सर्वोत्तम जेल सर्वेश्वर	अक्षरातिथि जेल अक्षरेश्वर	माधुरातिथि जेल माधुरेश्वर	त्रिगुणातिथि जेल त्रिगुणेश्वर	मूलपुरुष जेल मूलेश्वर
-----------------------------	---------------------------------	----------------------------	-------------------------------	-------------------------------	---------------------------------	---------------------------------	-------------------------------------	-----------------------------



विष्णु जेल विष्णु	परीक्षा जेल परीक्षा	परात्मा जेल परात्मा	विश्वानंद जेल विश्वानंद	विष्णोत्तम जेल विष्णोत्तम	अक्षरेश्वर जेल अक्षरेश्वर	विद्याभाषाणा जेल विद्याभाषाणा	विद्याभाषाणा जेल विद्याभाषाणा	प्रतीक जेल प्रतीक
-------------------------	---------------------------	---------------------------	-------------------------------	---------------------------------	---------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------



परमेश्वर जेल परमेश्वर	पुरुष जेल पुरुष	अतीता जेल अतीता	सुप्रानंद जेल सुप्रानंद	पुरुषोत्तम जेल पुरुषोत्तम	अक्षरेश्वर जेल अक्षरेश्वर	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया
-----------------------------	-----------------------	-----------------------	-------------------------------	---------------------------------	---------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------



पुरुष जेल पुरुष	नारायण जेल नारायण	अतीता जेल अतीता	सुप्रानंद जेल सुप्रानंद	पुरुषोत्तम जेल पुरुषोत्तम	अक्षरेश्वर जेल अक्षरेश्वर	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया
-----------------------	-------------------------	-----------------------	-------------------------------	---------------------------------	---------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------



पुरुष जेल पुरुष	नारायण जेल नारायण	अतीता जेल अतीता	सुप्रानंद जेल सुप्रानंद	पुरुषोत्तम जेल पुरुषोत्तम	अक्षरेश्वर जेल अक्षरेश्वर	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया	मध्यस्थमाया जेल मध्यस्थमाया
-----------------------	-------------------------	-----------------------	-------------------------------	---------------------------------	---------------------------------	-----------------------------------	-----------------------------------

